


15/5/25

प्राची गुरुमीत सिंह द्वारा जरिये अधिवक्ता
 प्रा. पत्र पेश करने पर पत्रावली पेशी में
 ली गयी प्राचीना-पत्र पेश कर निवेदन किया
 कि उक्त वाद में प्राची वादी वाद आगे
 नहीं चलाना चाहते हैं अतः वाद वर्तमान
 स्तर पर पर खारिज किया जावे। प्राची
 का प्राचीना-पत्र स्वीकार किया जाकर
 वाद-पत्र वर्तमान स्तर पर ही खारिज
 किया जाव। पत्रावली नम्बर से कम ही
 जाकर वाद नुसली दाखिल दफ्तार है।


 (सत्यनारायण RAS)